

कक्षा — 12वीं.

विषय — हिन्दी (अनिवार्य)

अवधि — 2 घण्टे 45 मिनट

पूर्णांक — 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार —

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	15	18.75%
2.	अवबोध	27	33.75%
3.	अभिव्यक्ति / ज्ञानोपयोग	26	32.52%
4.	मौलिकता / कौशल	12	15.00%
योग		80	100%

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार —

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक प्रतिशत	प्रतिशत प्रश्नों का	संभावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ / रिक्त स्थान	12+6= 18	01	18	39.13	23 मिनट
2.	अतिलघूत्तरात्मक	11	01	11	23.91	27 मिनट
3.	लघूत्तरात्मक— I	09	02	18	11.25	41 मिनट
4.	दीर्घउत्तरीय	04	03	12	5.00	25 मिनट
5.	निबंधात्मक	04	1X5=5 2X6=12 1X4=4	21	5.00	49 मिनट
योग		46		80	100%	165

विकल्प योजना : आन्तरिक

विषय वस्तु का अंकभार —

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1	अपठित बोध	12	15.00%
2	निबन्ध	05	06.25%
3	पत्र	04	05.00%
4	व्यावहारिक व्याकरण	08	10.00%
5	अभिव्यक्ति और माध्यम	07	08.75%
6	आरोह	32	40.00%
7	वितान	12	15.00%
योग		80	100%

प्रश्न—पत्र की योजना

कक्षा — 12वीं.

विषय — संस्कृत साहित्यम्

अवधि — 2 घण्टे 45 मिनट

पूर्णांक — 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार —

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	12	15
2.	अवबोध	16	20
3.	अभिव्यक्ति / ज्ञानोपयोग	41	51.25
4.	मौलिकता / कौशल	11	13.75
योग		80	100

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार —

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक प्रतिशत	प्रतिशत प्रश्नों का	संभावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ / रिक्त स्थान	18	1	22.5	36	15
2.	अतिलघूत्तरात्मक	12	1	15	24	25
3.	लघूत्तरात्मक— I	13	2	32.5	26	35
4.	दीर्घउत्तरीय	4	3	15	8	45
5.	निबंधात्मक	3	4	15	6	45
योग		50	11	100	100	165

विकल्प योजना : आन्तरिक

विषय वस्तु का अंकभार —

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1.	पाठ्यपुस्तकात् बहुविकल्पात्मक प्रश्नाः	12	15
2.	पठित गद्यांशः पद्यांशः नाट्यांशात् यथा निर्देशं प्रश्नानां उत्तराणि	9	11.25
3.	शब्दार्थ लेखनम्	2	2.5
4.	प्रश्ननिर्माणम्	4	5
5.	भावार्थ लेखनम्	3	3.75
6.	अन्वय लेखनम्	2	2.5
7.	संस्कृत साहित्येतिहासस्य परिचयः	10	12.5
8.	छन्दोडलंकारा	10	12.5
9.	अपिठतावबोधनम्	8	10
10.	लघुनिबन्धलेखनम्	4	5
11.	हिन्दी भाषयाः वाक्यानां संस्कृत भाषायां अनुवादः	4	5
12.	सन्धिः	4	5
13.	कारकः	4	5
14.	प्रत्ययः	4	5
योग		80	100

प्रश्न-पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा – 12वीं

विषय :- संस्कृत साहित्य

पूर्णांक – 80

क्र. सं.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान					अवबोध					ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति					कौशल/मौलिकता					योग
		वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धत्मक	वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धत्मक	वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धत्मक	वस्तुनिष्ठ	अति.लघू	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धत्मक	
1	पाठ्यपुस्तकात् बहुविकल्पात्मक प्रश्नाः						12(12)															12(12)
2	पठित गद्यांशः पद्यांशः नाट्यांशात् यथा निर्देशं प्रश्नानां उत्तराणि														9(3)							9(3)
3	शब्दार्थ लेखनम्			2(1)																		2(1)
4	प्रश्ननिर्माणम्								4(1)													4(1)
5	भावार्थ लेखनम्																			3(1)		3(1)
6	अन्वय लेखनम्												2(1)									2(1)
7	संस्कृत साहित्येतिहासस्य परिचयः		10(10)																			10(10)
8	छन्दोडलंकारा												10(5)									10(5)
9	अपिठतावबोधनम्												8(4)									8(4)
10	लघुनिबन्धलेखनम्																			4(1)		4(1)
11	हिन्दी भाषयाः वाक्यांना संस्कृत भाषायां अनुवादः																			4(1)		4(1)
12	सन्धिः												4(2)									4(2)
13	कारकः											4(4)										4(4)
14	प्रत्ययः											4(4)										4(4)
	योग		10(10)	2(1)			12(12)		4(1)			8(8)	24(12)		9(3)				7(2)	4(1)		80(50)
		12(11)					16(13)					41(23)					11(3)					80(50)

विकल्पों की योजना :- प्र.सं. 18,19,20,23 में एक आंतरिक विकल्प है
निर्देश :- प्रश्न पत्र में मूल प्रश्न 23 हैं, जो प्रकारान्तर से कुल 50 हैं।

नोट:- कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।

हस्ताक्षर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

मॉडल प्रश्न पत्र उच्च माध्यमिक परीक्षा 2022

विषय— संस्कृत साहित्यम्

कक्षा—12

समय: 2 घण्टे 45 मिनट

पूर्णांक:80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :—

GENERAL INSTRUCTION TO THE EXAMINEES:

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

Candidate must write first his/her Roll No. on the question paper compulsorily.

2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

All the questions are compulasory.

3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

Write the answer to each question in the given answer book only.

4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

For questions having more than one part the answers to those parts are to be written together in continuity.

5. प्रश्न पत्र के हिन्दी पर अंग्रेजी रूपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि / अन्तर / विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को सही मानें।

If there is any error/difference/contradiction in Hindi & English version of the question paper, the question of the Hindi version should be treated valid.

(खण्ड अ)

अधोलिखित प्रश्नानां उचित विकल्पं चिनुत —

- | | | |
|---|---------------------|---|
| (i) वरतन्तु कस्य शिष्यः आसीत् ? | | 1 |
| (अ) रघुः | (ब) कौत्सः | |
| (स) रामः | (द) वाल्मीकि | |
| (ii) राजा तारापीडः कस्य यौवराज्याभिषेकं कर्तुं ऐच्छत ? | | 1 |
| (अ) चन्द्रापीडस्य | (ब) बालकस्य | |
| (स) अमात्यस्य | (द) शुकनासस्य | |
| (iii) मरालस्य मानसं किं विना न रमते ? | | 1 |
| (अ) जलं विना | (ब) मानसं विना | |
| (स) नीरजं विना | (द) कोकिलं विना | |
| (IV) शिववीरस्य विश्वासपात्रं कुत्र प्रयाति ? | | 1 |
| (अ) वनम् | (ब) ग्रहम् | |
| (स) उपवनम् | (द) तोरणदुर्गम् | |
| (V) लक्ष्मीमदः कीदृशः ? | | 1 |
| (अ) दारुणः | (ब) उपहासकरः | |
| (स) निर्मलकरः | (द) सुखकरः | |
| (VI) परमापदां पदं किम् ? | | 1 |
| (अ) विवेकः | (ब) ज्ञानम् | |
| (स) अविवेकः | (द) सम्पदं | |
| (vii) चातकः अपि निर्गलिताम्बुगर्भं शरद्घनं न अर्दति । अत्र कर्तृपदं किम् ? | | 1 |
| (अ) अर्दति | (ब) निर्गलित | |
| (स) चातकः | (द) अम्बुगर्भं | |
| (viii) 'अहो संदीपनानि अक्षराणि ।' इत्यत्र संदीपनानि इत्यस्य विशेष्यपदं किम् ? | | 1 |
| (अ) अहो | (ब) अक्षराणि | |
| (स) संदीप | (द) अक्षर | |
| (ix) 'ते नाल्पमप्युपदेष्टव्यम्' इत्यत्र ते सर्वनामपदस्थाने संज्ञापदं किम् ? | | 1 |
| (अ) तारापीडस्य | (ब) चन्द्रापीडस्य | |
| (स) शुकनासस्य | (द) राज्ञः | |
| (x) वित्तं दानभोगैर्विना <u>सफलं</u> न भवति । रेखांकित पदस्य विलोमार्थकं पत्रं किम् अस्ति ? | | 1 |
| (अ) भोगं | (ब) दानं | |
| (स) असफलं | (द) वित्तं | |
| (xi) 'विक्रमस्यौदार्यम्' पाठः कस्मात् ग्रन्थात् संकलितः ? | | 1 |
| (अ) किरातार्जुनीयम् | (ब) शिशुपालवधम् | |
| (स) सिंहासनद्वित्रिंशिका | (द) मेघदूतं | |
| (xii) 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' इति वाक्यं कः कं कथयति ? | | 1 |
| (अ) अर्जुनः कृष्णं | (ब) भीमः युधिष्ठिरं | |
| (स) अर्जुनः भीमं | (द) कृष्णः अर्जुनं | |

प्रश्न 2 अधोलिखित पदयोः रिक्तस्थानानि पूरयत—

(क) प्रकृतिप्रत्यय विभागं कुरुत—

- | | |
|---|---|
| (i) बालकाः तत्र गच्छन्ति । (पठ्+तुमुन्) | 1 |
| (ii) तेन किं । (दृश्+क्त) | 1 |

(ख) प्रकृतिप्रत्यय संयोगं कुरुत—

(i) सदैव ईश्वरः । (स्मरणीयः)

1

(ii) सः भोजनं । (खादितवान्)

1

(ग) उचित विभक्तिः प्रयोगं कुरुत—

(i) रामायणं रोचते । (भक्त)

1

(ii) गंगा प्रभवति । (हिमालय)

1

प्रश्न 3 (क) अधोलिखितानां प्रश्नानि उत्तराणि लिखत—

(i) वेदस्य पादौ किं स्मृतम् ?

1

(ii) संगीतशास्त्रस्य वर्णनं कस्मिन् वेदे अस्ति ?

1

(iii) रघुवंशमहाकाव्ये कति सर्गाः सन्ति ?

1

(iv) बुद्धचरितमहाकाव्यस्य आधारग्रन्थः कः ?

1

(v) माघस्य पितुः नाम किम् ?

1

(vi) मीरापुरस्कारेण, कः साहित्यकारः पुरस्कृतः अस्ति ?

1

(vii) हरनामामृतम् इति महाकाव्यस्य रचयिता कः ?

1

(viii) श्री पद्मशास्त्री कं महाकाव्यं रचितवान् ?

1

(ix) जयपुर वैभवम् कस्य कृतिः अस्ति ?

1

(x) द्वा सुपर्णा इति काव्ये कस्य कथा वर्णिता ?

1

(ख) अधोलिखितेषु रेखांकितशब्देषु सूत्रोल्लेखपूर्वकं विभक्ति निर्देशं कुरुत—

(xi) बालकः शय्याम् अधिशेते ।

1

(xii) पिता पुत्राय क्रुध्यति ।

1

(खण्ड ब)

प्रश्न 4 अधोलिखित छन्दसां कस्यचित् एकस्य लक्षणं उदाहरणं च लिखत—

2

(i) वसन्ततिलका

(ii) द्रुतविलम्बितम्

प्रश्न 5 अधोलिखित पद्याशेषु कस्याचित् एकस्य गणचिह्नं प्रदर्शयन् छन्दसः नामोल्लेखं कुरुत—

2

(i) भानुः सकृद्युक्त तुरंग एव ।

(ii) तपोधनं मानधननाग्रयायी ।

प्रश्न 6 अधोलिखितेषु अलंकारेषु द्वयोः अलंकारयोः लक्षणं उदाहरणं च लिखत—

2

(i) यमकः

(ii) रूपकम्

(iii) दृष्टान्तः

प्रश्न 7 अधोलिखित पंक्तिषु अलंकारस्य नामोल्लेखं कुरुत—

2

(i) निजहृदि विकसन्तः सन्ति सन्तः कियन्तः ।

(ii) अकस्मात् परितो मेघमाला पर्वतश्रेणीव प्रादुरभूत् ।

प्रश्न 8 अधोलिखितप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत—

2

(i) उपमेये उपमानस्य सम्भावना कस्मिन् अलंकारे भवति ?

(ii) त्रिलघुः कः गणः भवति ?

प्रश्न 9 अधोलिखितेषु पद्येषु कस्यचित् एकस्य अन्वयं लिखत—

2

असुर्या नाम ते लोका अन्धेन तमसाऽऽवृताः ।

ताँस्ते प्रेत्याभिगच्छन्ति ये के चात्महनो जनाः ।।

अथवा

न किञ्चिदपि कुर्वाणः सौरण्यैर्दुःखान्यपोहति ।

तत्तस्य किमपि द्रव्यं यो हि यस्य प्रियो जनः ।।

प्रश्न 10 अधोलिखितानाम् शब्दानाम् अर्थं लिखत—	2
(i) अनेजत् (ii) धुनोति (iii) निसर्गतः (iv) परीवाह	
प्रश्न 11 अधोलिखित पदानां सूत्रोल्लेखपूर्वकं संधिविच्छेदं कुरुत—	2
(i) सच्चरित्रम् (ii) मध्वरिः	
प्रश्न 12 अधोलिखितपदानां सूत्रोल्लेखपूर्वकं सन्धिं कुरुत—	2
(i) गंगा+ओघः (ii) रामम्+भज	

अधोलिखितम् अपठितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि यथानिर्देशं लिखत—

कौटिल्यनाम्ना प्रख्यातः आचार्यः चाणक्यः विश्वस्य राजनीतिज्ञेषु अग्रगण्यः आसीत्। अस्य मूलनाम विष्णुगुप्तः आसीत्। अयं तक्षशिलासमीपस्य चणकनाम ग्रामस्य निवासी आसीत्। अतः अस्यस्थानीयं नाम चाणक्यः इति आसीत्। चणकऋषेः पुत्रत्वात् अपि अयं चाणक्यः इति कथ्यते। अस्य जन्म कुटिलगोत्रे अभवत्। अनेन कारणेन अयं कौटिल्यनाम्नापि प्रसिद्धः जातः। केचन विद्वांस मन्यन्ते यत् अयं कुशलः कूटनीतिज्ञः आसीत्। अतः अयं कौटिल्यनाम्ना विख्यातः अभवत्। बुद्धिकौशलेन अयम् अप्रतिमः कूटनीतिज्ञः आसीत्। एकदा असौ मगधदेशस्य राज्ञः नन्दस्य सभाम् अगच्छत्। सौन्दर्यविहीनं तं ब्राह्मणं राजानन्दः अनिन्दत्। अपमानितः चाणक्यः नन्दात् स्वापमानस्य प्रतिशोधाय निश्चयम् अकरोत्। अनन्तरम् अयं चन्द्रगुप्तस्य साहाय्येन कूटनीतिबलेन च नन्दसदृशान् आततायिनः विनाश्य मौर्यसाम्राज्यं स्थापितवान्। एवं चन्द्रगुप्तः मगधराज्यस्य राजा सञ्जातः। राजनीतिमवलम्ब्य अयं पंचग्रन्थान् अरचयत् येषु 'कौटिलीयार्थशास्त्रम्' इति ग्रन्थः राजनीतेः अर्थनीतेः च अप्रतिमः ग्रन्थः वर्तते।

प्रश्न 13 एकपदेन उत्तरत— 2

- आचार्यः चाणक्यः किं नाम्ना प्रख्यातः आसीत् ?
- चाणक्यस्य जन्म कस्मिन् गोत्रे अभवत् ?

प्रश्न 14 पूर्णवाक्येन उत्तरत— 2

- विद्वांसः किं मन्यन्ते ?
- चाणक्यः मौर्यसाम्राज्यं कथं स्थापितवान् ?

प्रश्न 15 भाषासम्बद्ध कार्यम्— 2

- “अयं कुशलः राजनीतिज्ञः आसीत्।” अत्र अयं पदस्यस्थाने संज्ञापदं किम् ?
- “अप्रतिमः कूटनीतिज्ञः” इत्यनयोः पदयोः विशेषणपदं किम् ?
- सम्मानितः इति पदस्य विलोमपदं गद्यांशात् चित्वा लिखत।
- “एवं चन्द्रगुप्तः मगधराज्यस्य राजा सञ्जातः” अत्र कर्तृपदं किम् ?

प्रश्न 16 उपर्युक्त गद्यांशस्य समुचितं शीर्षकं लिखत। 2

(खण्ड स)

प्रश्न 17 अधोलिखितानां कयोः द्वयोः सप्रसंग हिन्दी भाषया भावार्थः लिखत। 3

- अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययाऽमृतमश्नुते।
- सुलभसौख्यमिदानीं बालत्वं भवति।
- गुरुरूपदेशश्च नाम अखिलमलप्रक्षालनक्षमम् अजलं स्नानम्।
- सन्मित्रलक्षणमिदं प्रवदन्ति सन्तः।

प्रश्न 18 अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा एतदाधारित प्रश्नानामुत्तराणि यथानिर्देशं लिखत— 3

आलोकयतु तावत् कल्याणाभिनिवेशी लक्ष्मीमेव प्रथमम्। न ह्येवंविधमपरिचितमिह जगति किञ्चिदस्ति यथेयमनार्या। लब्धापि खलु दुःखेन परिपाल्यते। परिपालितापि प्रपलायते। न परिचयं रक्षति। नाभिजनमीक्षते। न रूपमालोकयते। न कुलक्रममनुवर्तते। न शीलं पश्यति। न वैदग्ध्यं गणयति। न श्रुतमाकर्णयति। न धर्ममनुरुध्यते। न त्यागमाद्रियते। न विशेषज्ञतां विचारयति। नाचारं पालयति। न सत्यमवबुध्यते। पश्यत एव नश्यति।

प्रश्नाः

- (i) परिचयं का न रक्षति ? (एकपदेन उत्तरत)
- (ii) लब्धापि लक्ष्मीः कथं परिपाल्यते ? (पूर्ण वाक्येन उत्तरत)
- (iii) पालयति इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम् ?

अथवा

ततो ब्राह्मणस्तानि रत्नानि ग्रहीत्वा उज्जयिनीं यावदागतस्तावद्यज्ञसमाप्तिर्जाता । राजाभृतस्नानं कृत्वा सर्वानर्थिजनान् परिपूर्णमनोरथानकरोत् । ब्राह्मणोराजानं दृष्ट्वा रत्नान्यर्पयित्वा प्रत्येकं तेषां गुणकथनमकथयत् । ततो राजावदत्, भोब्राह्मण । भवान् यज्ञदक्षिणाकालं व्यतिक्रम्य समागतः । मया सर्वोऽपि ब्राह्मणसमूहो दक्षिणया तोषितः । तर्हि त्वमेतेषां रत्नानां मध्ये यत्तुभ्यं रोचते तद्ग्रहाणेति । ब्राह्मणेनोक्तम्, 'गृहं गत्वा गृहिणीं, पुत्रं, स्नुषां च पृष्ट्वा सर्वेभ्यो यद्रोचते तद्ग्रहीष्यामीति ।'

3

प्रश्नाः

- (i) ब्राह्मणः तानि रत्नानि गृहीत्वा कुत्र आगतः ? (एकपदेन उत्तरत)
- (ii) राजा ब्राह्मणं किम् अवदत् ? (पूर्ण वाक्येन उत्तरत)
- (iii) अर्थिजनान् इति विशेष्यपदस्य विशेषणपदं किम् ?

प्रश्न 19 अधोलिखितं पद्यं पठित्वा एतदाधारित प्रश्नानामुत्तराणि यथानिर्देशं लिखत ।

3

तमध्वरे विश्वजिति क्षितीशं
निःशेषविश्राणित कोषजातम् ।
उपातविद्यो गुरुदक्षिणार्थी
कौत्सः प्रपेदे वरतन्तुशिष्यः ।।

प्रश्नाः

- (i) वरतन्तु शिष्यः कः आसीत् ? (एकपदेन उत्तरत)
- (ii) कौत्सः कीदृशस्य क्षितीशस्य समीपेगतवान् ? (पूर्ण वाक्येन उत्तरत)
- (iii) 'प्रपेदे' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम् ?

अथवा

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदांपदम् ।
वृणते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदः ।।

प्रश्नाः

- (i) सहसा का न विदधीत ? (एकपदेन उत्तरत)
- (ii) गुणलुब्धाः सम्पदः कं स्वयमेव वृणते ? (पूर्ण वाक्येन उत्तरत)
- (iii) विपदः इति शब्दस्य विलोमपदं पद्यांशात् चित्वालिखत । ?

प्रश्न 20 अधोलिखितं नाट्यांशं पठित्वा एतदाधारित प्रश्नानामुत्तराणि यथानिर्देशं लिखत ।

कौसल्याः : जात! अस्ति ते माता ? स्मरसि वा तातम् ?

लवः : नहि ।

कौसल्याः : ततः कस्य त्वम् ?

लवः : भगवतः सुगृहीतनामधेयस्य वाल्मीकेः ।

कौसल्याः : अयि जात! कथयितव्यं कथय ।

लवः : एतावदेव जानामि ।
(प्रविश्य सम्भ्रान्ताः)

बटवः : कुमार! कुमार! अश्वोऽश्व इतिकोऽपि भूतविशेषो जनपदेष्वनुश्रूयते, सोऽयमधुनाऽस्माभिः स्वयं प्रत्यक्षीकृतः ।

लवः : 'अश्वोऽश्व' इतिनाम पशुसमाम्नाये सांग्रामिके च पठ्यते, तद्ब्रूत—कीदृशः ?

प्रश्नाः

- (i) लवः आत्मानं कस्य पुत्रः कथयति ? (एकपदेन उत्तरत)
- (ii) 'अश्वोऽश्व' इतिनाम कुत्र पठ्यते ? (पूर्ण वाक्येन उत्तरत)
- (iii) 'सोऽयमधुना' अत्र अयम् इति सर्वनाम स्थाने संज्ञापदं किम् ?

अथवा

लवः : (प्रविश्य, स्वगतम्) अविज्ञातवयः क्रमौचित्यात् पूज्यानपि सतः कथमभिवादयिष्ये? (विचिन्त्य) अयं पुनरविरुद्ध प्रकार इति वृद्धेभ्यः श्रूयते। (सविनयमुपसृत्य) एष वो लवस्य शिरसा प्रणामपर्यायः।

अरुन्धतीजनकौः : कल्याणिन्! आयुष्मान् भूयाः।

कौसल्याः : जात। चिरंजीव।

अरुन्धतीः : एहि वत्स। (लवमुत्संगे गृहीत्वा आत्मगतम्) दिष्ट्या न केवल मुत्संगश्चिरान्मनोरथोऽपि मे पूरितः।

कौसल्याः : जात! इतोऽपि तावदेहि। (उत्संगे गृहीत्वा)

अहो, न केवलं मांसलोज्ज्वलेन देहबन्धेन, कलहंसघोषघर्घरानुनादिनां स्वरेण च रामभद्रमनुसरति। जात! पश्यति ते मुखपुण्डरीकम्।

प्रश्नाः

- (i) लवः घर्घरानुनादिना स्वरेण कं अनुसरति ? (एकपदेन उत्तरत)
- (ii) कौसल्या लवं उत्संगे गृहीत्वा किं कथयति ? (पूर्ण वाक्येन उत्तरत)
- (iii) 'पश्यामि ते मुखपुण्डरीकम्' अत्र ते इति सर्वनामपदस्थाने संज्ञापदं किम् ?

(खण्ड द)

प्रश्न 21 रेखाकिंतपदानि आघृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत। (कश्चित् चत्वारः)

4

- (i) उत्पथैः मम मनः पारिप्लवं धावति।
- (ii) श्रीदासः तत्पत्रमुद्घाटितवान्।
- (iii) मनुष्याणां हिंसावृत्तिस्तु निरवधिः।
- (iv) अथ पृथिव्याः विभागनिरूपणं यत्र लोकास्तिष्ठन्ति।
- (v) कुप्यन्ति हितवादिने राजानः।
- (vi) केयूराणि पुरुषं न भूषयन्ति।

प्रश्न 22 निम्नलिखितवाक्यानां संस्कृतानुवादं कुरुत।

4

- (i) हम सब भारतदेश की रक्षा करें।
- (ii) वृक्ष से पत्ता गिरता है।
- (iii) बालक को पुष्प अच्छा लगता है।
- (iv) सुरेश रमेश के साथ विद्यालय जाता है।
- (v) इस जंगल में पहले एक सिंह रहता था।
- (vi) दुर्जन को धिक्कार है।

प्रश्न 23 अधोलिखितेषु कमपि विषयं स्वीकृत्य 50—60 शब्देषु संस्कृतभाषायां लघुनिबन्धं लिखत—

4

सत्संगतिः

अथवा

प्रातःकालम्